

स्नातकोत्तरपरीक्षा: - २०१५

एम्.ए. - विद्वदुत्तमा - प्रथमवर्षः

शास्त्रम् - द्वैतवेदान्तशास्त्रम्

भागः - २, पत्रिका - ५

विषयः - मध्ववाङ्मयेतिहासः

दिनाङ्कः - 30-3-2015

गरिष्ठाङ्काः - ८०

समयः - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 80

- I. यथारुचि द्वयोः प्रबन्धमारचयत 2×15=30
१. वेदोक्तविश्वोत्पत्तिवादः ।
 २. श्रीमन्मध्वाचार्याणां ग्रंथाः ।
 ३. पञ्चरात्रागमाः ।
 ४. भगवद्गीता ।
- II. यथारुचि पञ्चानां टिप्पणीः रचयत 5×6=30
- | | |
|--------------------|--------------------------|
| १. रामानुजाचार्यः | ५. भेदस्य धर्मिरूपत्वम् |
| २. कर्मयोगः | ६. मायामात्रमिदं द्वैतम् |
| ३. अनुव्याख्यानम् | ७. तन्त्रसारसंग्रहः |
| ४. भागवततात्पर्यम् | ८. पद्मनाभतीर्थाः |
- III. उत्तरत 5×2=10
१. माध्वग्रन्थान् कथं वर्णयन्ति वादिराजाः ?
 २. न्यायसुधाया अन्यन्नाम किं ? कुत्र निर्दिष्टम् ?
 ३. माध्वमतरीत्या प्रथमाध्यायब्रह्मसूत्राणां पादव्यवस्था कीदृशी?
 ४. किं नाम स्वतन्त्रम् ?
 ५. प्रमेयनवमालिकां कः रचितवान् ? कश्चास्य विषयः ?
- IV. उत्तरं चिनुत 5×1=5
१. पारिजातहरणं कृतिः ।
- | | | | |
|--------------|------------------|----------------|--|
| अ. काव्यरूपा | आ. व्याख्यानरूपा | इ. शास्त्ररूपा | |
|--------------|------------------|----------------|--|
२. रघुत्तमतीर्थाः ।
- | | | | |
|-------------------|---------------|----------------|--|
| अ. उत्तरादिमठीयाः | आ. काशीमठीयाः | इ. उडुपीमठीयाः | |
|-------------------|---------------|----------------|--|

३. तत्वचिन्तामणि कर्ता..... ।

अ. वादिराजः आ. गंगेशः इ. जगन्नाथः

४. भावदीपकारः

अ. राघवेन्द्रः आ. श्रीहर्षः इ. त्रिविक्रमपण्डितः

५. प्रत्यक्षरं प्रतिपदं अनेकाकूतिगर्भिता' वाक्यस्य वक्ता..... ।

अ. जयतीर्थः आ. व्यासतीर्थः इ. राघवेन्द्रतीर्थः

V. योजयत

5×1=05

- | | |
|----------------------|-------------------|
| १. भावरत्नकोशः | उदयनः |
| २. तात्पर्यचन्द्रिका | श्रीहर्षः |
| ३. न्यायकुसुमाञ्जली | मधुसूदनसरस्वती |
| ४. खण्डनखण्डखाद्यम् | व्यासतीर्थः |
| ५. अद्वैतसिद्धिः | सुमतीन्द्रतीर्थाः |
| | जयतीर्थः |
-